हिन्दी विभाग

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

(सत्र : 2024-2025)

`हिन्दी साहित्य`

(HINDI LITERATURE)

परास्नातक पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

UG SEMESTER – VII/PG SEMESTER - I

कोर्स कोड		एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010701T	Core	प्राचीन काव्य	25	75	4 Credits
A010702T	Core	भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य	25	75	4 Credits
A010703T	Core	अनुसंधान प्रविधि	25	75	4 Credits
A010704T	Discipline Centeric Elective (Choose any one)	आधुनिक गद्य (निबंध एवं नाटक)	25	75	4 Credits
A010705T		आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं			
A010706T	Discipline Centeric Elective (Choose any one)	हिंदी सृजनात्मक लेखन	25	75	4 Credits
A010707T		हिंदी सिनेमा एवं साहित्य			

UG SEMESTER – VIII
(for Four Year Undergraduate Programme)

कोर्स कोड		एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010801T	**Core**	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	**25**	**75**	**4 Credits**
A010802T	**Core**	भारतीय काव्यशास्त्र	**25**	**75**	**4 Credits**
A010803R	Research Project	**शोध परियोजना**	**-**	**100**	**12 Credits**

PG SEMESTER – II
(For Two Year Post Graduate Programme – lateral entry)

कोर्स कोड		एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010801T	**Core**	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	**25**	**75**	**4 Credits**
A010802T	**Core**	भारतीय काव्यशास्त्र	**25**	**75**	**4 Credits**
A010803T	Discipline Centric Elective (Choose any one)	भारतीय साहित्य का स्वरूप	**25**	**75**	4 Credits
A010804T		पाश्चात्य काव्यशास्त्र			
A010805T	Discipline Centric Elective (Choose any one)	प्रयोजनमूलक हिन्दी	**25**	**75**	**4 Credits**
A010806T		हिन्दी पत्रकारिता			
A010807P	Ability Enhancement Course (Choose any one)	स्वयं का संस्मरण, रिपोर्ताज, लेखक के साथ साक्षात्कार आदि विषय 8000 शब्दों में	**25**	**75**	**4 Credits**
A010808P		न्यूनतम 05 सेमिनार एवम् उसकी प्रस्तुति			

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

PG SEMESTER – III/PG SEMESTER – I
(One Year PG Programme – Lateral Entry)

कोर्स कोड		एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A010901T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	25	75	4 Credits
A010902T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	25	75	4 Credits
A010903T	Core	भाषा विज्ञान	25	75	4 Credits
A010904T	Discipline Centeric Elective (Choose any one)	हिन्दी भाषा एवं लिपि	25	75	4 Credits
A010905T		हिन्दी अनुवाद			
A010906T	Discipline Centeric Elective (Choose any one)	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	25	75	4 Credits
A010907T		छायावादोत्तर काव्य			

हिन्दी साहित्य
पाठ्यक्रम (सी0बी0सी0एस0)

PG SEMESTER – IV/PG SEMESTER – II
(One Year PG Programme)

कोर्स कोड		एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (20)
			CIE	ETE	
A011001R	MRP	दीर्घ शोध प्रबंध		100	20 Credits

PROGRAMME OUTCOMES

PO1 विभिन्न काल खंडों मे गद्य,पद्य,नाटक और साहित्यिक समालोचना सहित हिन्दी साहित्य के प्रमुख विधाओ का व्यापक ज्ञान एवं समझ प्रदर्शित कर सकेंगे।

PO2. हिन्दी मे लिखे गए साहित्यिक ग्रंथों की विषयवस्तु,रूपांकन,कथाचरित्र के विकास एवं सांस्कृतिक संदर्भों का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकने मे सक्षम बन सकेंगे।

PO3. हिन्दी के महत्वपूर्ण साहित्यिक आंदोलनों,विचारधाराओ जैसे छायावाद,प्रगतिवाद,नयी कविता आंदोलन तथा हिन्दी की साहित्यिक पत्रिकाओ के विकास में उनके योगदान की व्याख्या कर सकेंगे।

PO4. हिन्दी साहित्य में स्थानीय परंपरा और दार्शनिक विचारधारों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में पहचान कर सामाजिक और राजनैतिक जीवन में मानव मूल्य, सत्यनिष्ठा, गरिमा का प्रसार कर सकेंगे।

PO5. हिन्दी साहित्य में लैंगिक समानता के अध्ययन से यह अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकेंगे कि इसे व्यवहारिक जीवन मे कैसे अपनाया जाय, साथ ही स्त्री रचनाकारों के योगदान को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समझते हुए शक्ति संरचनाओं के परिप्रेक्ष्य में जेंडर की भूमिका को विश्लेषित कर सकेंगे |

PO6. विविध स्रोतों के अध्ययन से उत्तरऔपनिवेशिक सिद्धांतों जैसे संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, विखंडनवाद, स्त्री-विमर्श,तृतीय लिंगी विमर्श, दलित विमर्श की सैद्धांतिकी के आधार पर नए सिद्धांतों परिकल्पनाओं का निर्माण सकेंगे।

PO7. हिन्दी साहित्य के अध्ययन द्वारा अपनी सांस्कृतिक परंपरा, मूल्य, आस्था, भाषायी विरासत द्वारा व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की ओर अग्रसर होते हुए वंचित समुदाय से सौहार्द तथा सौमनस्य स्थापित कर सकेंगे।

PO8. महान राष्ट्र नायकों एवं सुप्रसिद्ध साहित्यकारों की आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य के अध्ययन द्वारा उनके जीवन दर्शन, उस प्रांत की संस्कृति, क्षेत्रीय कलाओं, तकनीकी कौशल, कार्य शैली को समझते हुए उच्च मनोबल प्राप्त कर के एक बेहतर मनुष्य बन सकेंगे।

PO9. विविध लघु शोध परियोजनाओं के माध्यम से शोध प्रविधि मूल्यांकन क्षमता आंकड़ा संग्रह कर के तुलनात्मक रूप से अंतरविषयी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

PO10. सूचना प्रौद्योगिकी के हिन्दी भाषा से संबंधित ज्ञान द्वारा द्विभाषीय सम्प्रेषण, अनुवाद, मीडिया, पत्रकारिता, प्रशासनिक सेवा, शोध, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबंधक, एन.जी.ओ. लैनगुएज लैब सहायक, कॉल सेंटर में द्विभाषीय, हिन्दी दूतावासो, रंगकर्मी, रंगनिर्देशक, अभिनेता, स्वतंत्र लेखक, पटकथा लेखक, भाषा वैज्ञानिक, पुरा इतिहास लेखक, हिन्दी का प्राध्यापक, राजभाषा अधिकारी एवं विविध निदेशालयों में लिपिक आदि का रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : प्रथम

पाठ्यक्रम/पेपर (Course): I

पाठ्यक्रम कोडः A010701T क्रेडिट **: 4**	**पाठ्यक्रम का शीर्षकः प्राचीन काव्य**

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): **इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -**

CO 1- प्राचीन काव्य की परिभाषा, विशेषताओं और महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ उसकी रुपरेखा तैयार कर पाएंगे।

CO 2. प्राचीन भारतीय काव्य-शैलियों के आदान-प्रदान, भाषाई और अलंकारिक विशेषताओं और काव्य-रचना के अंगों के बारे में अनुशीलन कर सकेंगे। महाकाव्य, छंद, रस, अलंकार, नायक-नायिका-भेद, भाव, रीति, रस-विद्या, रसानुभूति, और वर्णन के महत्वपूर्ण पहलुओं की सूची तैयार करने में दक्ष होंगे।

CO 3.प्राचीन काव्य-रचनाकारों के प्रमुख काव्य-संग्रहों और काव्य-टीकाओं के बारे में विशेष रूप से नरपति नाल्ह, केशवदास,अमीर खुसरो ,तुलसीदास, और सूरदास की रचनाओं के भाषिक संरचना की व्याख्या कर सकेंगे।

CO 4. प्राचीन काव्य के अध्ययन की विभिन्न प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। अध्ययन, शब्दानुशासन, प्रयोग-पठन की योजना बना सकेंगे।

CO 5. प्राचीन काव्य के माध्यम से मैथिली भाषा के विविध आयामों का निर्माण कर सकेंगे।

CO 6. प्राचीन काव्य में वर्णित 'परदेस' की अवधारणा द्वारा व्यापार और राजनयिक संबंध की वर्तमान अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन कर सकेंगे।

	Core/Compulsory/Elective: Core

इकाई	विषय
I	चन्दवरदाई : पृथ्वीराज रासो का एक समय **'रेवा तट'**
II	विद्यापति : पद – 1, 2,4 ए 7,8 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23,24 ए 29,31ए 33, 41, 46, 47, (20 पद) विद्यापति संचयन
III	अमीर खुसरो : चयनित दोहा (आरम्भ से 10)
IV	बीसल देव रासो (आरंभ से 10 पद)– सं0 माता प्रसाद गुप्त

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

सम्पादक :

डॉ आशुतोष कुमार सिंह अध्यक्ष एहिन्दी विभाग एप्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविधालय

सह संपादक -प्रो सविता श्रीवास्तव

प्रकाशकः लोक भारती

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी का प्राचीन साहित्य ; अभिराम तिवारी (विश्वविद्यालय प्रकाशन गोरखपुर) – 2022
2. अपभ्रंश का इतिहास : डॉ0 जयदेव (नीलकमल प्रकाशन) – 2021
3. आमीर खुसरो रचनावली : विजय कुमार (इंक पब्लिकैशन) – 2020
4- विद्यापति : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह (लोक भारती प्रकाशन) – 1992
5. विद्यापति : डॉ0 आनन्दप्रकाश दीक्षित (किताब महल) – 1989
6- हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ0 नामवर सिंह (किताब महल) – 1978
7- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (लोक भारती प्रकाशन) – 1977
8- कीर्तिलता और अवहट्ट : डॉ0 शिवप्रसाद सिंह (लोक भारती प्रकाशन) – 1968

ई - संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

9. 8 – rekhta.org

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : प्रथम
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): II		
पाठ्यक्रम कोडः A010702T क्रेडिट : 4	पाठ्यक्रम का शीर्षकः भक्ति काव्य एवं रीति काव्य	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): **इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -**

CO1- भक्तिकाव्य एवम रीति काव्य के संबंधित मुद्दों की पहचान कर सकेंगे।

CO2. वे भक्तिकाव्य के नैतिक,भावनात्मक, धार्मिक और साहित्यिक पहलुओं की सूची बना सकेंगे।

CO3. भक्तिकाव्य तथा रीति काव्य से संबंधित प्रोजेक्ट पर काम कर सकेंगे। स्वतंत्र रूप से विशेष विषयों पर गहनतापूर्वक अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO4 अध्ययन के परिणामों को प्रस्तुत करने और विभिन्न अकादमिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने विचारों को दूसरों के समक्ष प्रस्तुत करने की योजना बना सकेंगे।

CO5 भक्तिकाल एवम रीतिकाल के विविध संदर्भों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO6 सूरसागर तथा रामचरितमानस के नैतिक मूल्यों द्वारा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भविष्य निर्माण कर सकेंगे।

।

	Core/Compulsory/Elective: Core

Unit	**Topic**
I	कबीरदास : कबीर–ग्रन्थावली (सम्पादकःश्यामसुन्दर दास) विभिन्न अंगों से संकलित 10 साखियाँ तथा 5 पद। **जायसी** : 'पदमावत' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
II	सूरदास : 'सूरसागर' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) आरम्भ से 10 पद तुलसीदास : 'विनयपत्रिका' (गीता प्रेस) आरम्भ से 10 पद
III	मीराबाई : 'मीरा' (सम्पादक : विश्वनाथ त्रिपाठी) आरम्भ से 10 पद
IV	केशवदास : रामचन्द्रिका से चयनित 10 छन्द (आरम्भ से) बिहारी : 'बिहारी–रत्नाकर' (सम्पादक : जगन्नाथदास 'रत्नाकर') से 20 दोहे (आरम्भ से)
V	घनानन्द : 'घनानन्द कवित्त' (सम्पादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र) से 10 पद (आरम्भ से)

	गुरू गोविन्द सिंह – देहु शिवा वर मोहि इहे, वाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की

पाठ्यपुस्तक : भक्तिकाव्य संग्रह

सम्पादक :

1. **डॉ आशुतोष कुमार सिंह अध्यक्ष हिन्दी विभाग प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविधालय प्रयागराज**
   सह संपादक -प्रो .प्रभाकर सिंह
2. **प्रकाशक - वाणी प्रकाशन**

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. तुलसीदास का स्वप्न और लोक : ज्योतिष जोशी (सेतु पब्लिकैशन) - 2022
2. Kabir : kabir, the life and the work : Purushottam Agrawal (westland) – 2021
3. Padmawat : an apic love story : Purushottam Agrawal (rupa publications) - 2018
4- हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (लखनऊ विश्वविद्यालय) (प्रथम संस्करण : 1994)
5- मध्ययुगीन काव्यसाधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी (विश्वविद्यालय गोरखपुर) (प्रथम संस्करण : 1991)
6-
7- कबीर और जायसी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा (वीणा प्रकाशन) – 1983
8. पदमावत का काव्य सौन्दर्य : डा0 शिव सहाय पाठक (वीणा प्रकाशन)– 1982
9. जायसी : डॉ0 विजयदेव नारायण साही (वीणा प्रकाशन)-1981
10. कबीर की विचारधारा : डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत (भारतीय भंडार प्रयाग) – 1958
11. कबीर–साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी (भारतीय भंडार प्रयाग) – 1951
12. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय) (प्रथम संस्करण : 1942)
13. कबीर–मीमांसा : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी (दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय) - 1702
14. पदमावत : वासुदेवशरण अग्रवाल (साहित्य सदन झाँसी) - 1540

1. **रीतिमुक्त काव्य में रितितत्व** : नीलम सक्सेना (ईस्टर्न लिंक) – 2022
2. **रीतिकालीन कवियों में प्रेम व्यंजना** : **बच्चन सिंह (लोक भारती प्रकाशन) - 2020**
3. बिहारी : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – 2000
4. केशव का आचार्यत्व : डॉ0 विजयपाल सिंह (नेशनल पब्लिशिंग हाउस) (प्रथम संस्करण – 1998)
5. हिन्दी काव्य में श्रृंगारपरम्परा और बिहारी : डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त (विनोद पुस्तक मंदिर) (प्रथम संस्करण -1984)
6. बिहारी का काव्य लालित्य : डॉ0 रमाशंकर तिवारी .16983
7. बिहारी सतसई : जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (कमच्छा वाराणसी) (प्रथम संस्करण – 1983)
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं0) डॉ नगेन्द्र (नागरी प्रचारिणी सभा) (प्रथम संस्करण – 1973)
9. गुरू गोविन्द सिंह और उनका काव्य :डॉ0 महीप सिंह (नेशनल पब्लिशिंग हाउस) - 1972 (प्रथम संस्करण – 1969)
10. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 रामकुमार वर्मा (साहित्य भवन लिमिटेड) (प्रथम संस्करण – 1958)
11. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 रामदेव शुक्ल – 1956
12. आचार्य केशवदास : डॉ0 हीरालाल दीक्षित (प्रथम संस्करण 1954)

13- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा) (प्रथम संस्करण - 1929)

14 रीतिकाव्य मूल्यांकन के नए आयाम -प्रभाकर सिंह -लोकभारती प्रकाशन

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : प्रथम
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): III		
पाठ्यक्रम कोडः A010703T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः **अनुसंधान प्रविधि**	
क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Core**	

इकाई	विषय
I	**अनुसंधान** – परिभाषा और स्वरूप, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान का महत्व, अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग, अनुसंधान और आलोचना, अनुसंधान और चिंतन
II	**अनुसंधान के उपागम** – ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणात्मक, तुलनात्मक अनुसंधान **अनुसन्धान की विविध पद्धतियाँ-** आगमन, निगमन, विश्लेषण -संश्लेषण अनुसन्धान, गुणात्मक एवम् मात्रात्मक पद्धति **शोध-पत्र लेखन की अवधारणा -** शोध-प्रबंध लेखन की मूल अवधारणा, समकालीन साहित्य में अनुसन्धान की समस्याएं, चुनौतियाँ एवम् संभावनाएं
III	**अनुसंधान में कंप्यूटर -** सूचना प्रौद्यौगिकी का प्रयोग, हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक किए गए अनुसंधान का इन्टरनेट पर सर्वेक्षण, अनुसंधान में कंप्यूटर का उपयोग, अनुसंधान और नैतिक मूल्य
IV	**तुलनात्मक अध्ययन -** तुलनात्मक अध्ययन क्या है, तुलनात्मक अध्ययन का स्वरूप और आवश्यकता, तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य और प्रयोजन, तुलनात्मक अध्ययन का महत्व, तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएं, तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएं, पाठानुसंधान, ऐतिहासिक साहित्यिक अनुसंधान, भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान, अनुसंधान समाजशास्त्रीय अनुसंधान, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान

1. अनुसंधान की प्रक्रिया : डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

2. अनुसंधान पद्धति की विवेचना : डी. आर. भंडारी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

3. शोध प्रविधि : विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

4. अनुसंधान की समस्याएं : डॉ. ओम प्रकाश, आर्य बुक डिपो, करोलबाग, नई दिल्ली

5. अनुशीलन शोध विशेषांक : भारतीय हिन्दी परिषद्

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : प्रथम
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): IV (A)		
पाठ्यक्रम कोडः **A010704T**	पाठ्यक्रम का शीर्षकः आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक)	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1 हिन्दी आधुनिक गद्य निबंध के महत्वपूर्ण लेखकों, उनके निबंध संग्रहों और लेखन के विकास को रेखांकित कर सकेंगे।

CO2 आधुनिक निबंध की विशेषताओं, लेखन की विधियों और विभिन्न निबंध प्रारूपों की सूची बना सकेंगे।

CO3 महत्वपूर्ण आधुनिक निबंधकारों के संबंधित निबंध संग्रहों की जानकारी प्राप्त कर सकेंग। निबंधों के विषय, विचारधारा और लेखन शैली का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO आधुनिक नाट्य साहित्य के महत्वपूर्ण नाटककारों, नाटकों और नाटक के मध्य तुलना कर सकेंगे।

CO5 नाटक की प्रस्तुति और प्रदर्शन कला का सृजन कर सकेंगे।नाटक के निर्माण, प्रकाशन, संचालन, निर्देशन और अभिनय की विभिन्न पहलुओं की रचना कर सकेंगे।

CO6 आधुनिक गद्य निबंध के मुख्य विषयों की समझ और निबंध लेखन की प्रक्रिया को समझना चाहिए। आपको विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और व्यावसायिक विषयों पर आधुनिक गद्य निबंध की रचना निर्माण करने का कौशल प्राप्त करेंगे।

क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Elective**

इकाई	विषय
I	सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता
II	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी – महाकवि माध का प्रभात वर्णन
III	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति
IV	डा0 हजारीप्रसाद द्विवेदी – कुटज
V	डॉ0 विद्यानिवास मिश्र – परम्परा बंधन नहीं
VI	कुबेरनाथराय – गंधमादन
VII	नाटक :स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध

सम्पादक : **प्रो . आशुतोष कुमार सिंह अध्यक्ष हिन्दी विभाग प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविधालय प्रयागराज**

प्रकाशकः लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : विकास और विश्लेषण : श्रीनिवास (बिंज पब्लिकैशन) – 2022
2. अद्यतन गद्य साहित्य : रामकिशोर (प्रभात प्रकाशन) – 2021
3. अद्यतन निबंध संग्रह : सुलभ जैन (कामायनी प्रकाशन) – 2020
4. लोक जागरण और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 रामविलास शर्मा (वाणी प्रकाशन) – 2017
5. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा (राजपाल एंड संस दिल्ली) – 2008
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 जयचन्द्र राय (राजकमल प्रकाशन) – 1995
7. निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 हरिहरनाथ द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन) – 1993
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी (विश्वविद्यालय प्रकाशन) – 1992
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी (राजकमल प्रकाशन) – 1980
10. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शमा (वाणी प्रकाशन) – 1977
11- आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ और दृष्टि : डॉ0 जगदीशनारायण 'पंकज' (राजकमल प्रकाशन) -1975
12. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (राष्ट्रीय पुस्तक न्याय भारत) – 1968
13- हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : डॉ0 सोमनाथ गुप्त (हिन्दी भवन) – 1950

ई -संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : प्रथम
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): IV (B)		
पाठ्यक्रम कोडः **A010705T** क्रेडिट : **4**	पाठ्यक्रम का शीर्षकः आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएँ	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1 हिन्दी आधुनिक गद्य निबंध के महत्वपूर्ण लेखकों, उनके निबंध संग्रहों और लेखन के विकास को रेखांकित कर सकेंगे।

CO2 आधुनिक निबंध की विशेषताओं, लेखन की विधियों और विभिन्न निबंध प्रारूपों की सूची बना सकेंगे।

CO3 महत्वपूर्ण आधुनिक निबंधकारों के संबंधित निबंध संग्रहों की जानकारी प्राप्त कर सकेंग। निबंधों के विषय, विचारधारा और लेखन शैली का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO आधुनिक नाट्य साहित्य के महत्वपूर्ण नाटककारों, नाटकों और नाटक के मध्य तुलना कर सकेंगे।

CO5 नाटक की प्रस्तुति और प्रदर्शन कला का सृजन कर सकेंगे।नाटक के निर्माण, प्रकाशन, संचालन, निर्देशन और अभिनय की विभिन्न पहलुओं की रचना कर सकेंगे।

CO6 आधुनिक गद्य निबंध के मुख्य विषयों की समझ और निबंध लेखन की प्रक्रिया को समझना चाहिए। आपको विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और व्यावसायिक विषयों पर आधुनिक गद्य निबंध की रचना निर्माण करने का कौशल प्राप्त करेंगे।

क्रेडिट : **4**	**Core/Compulsory/Elective: Elective**

इकाई	विषय
I	रामवृक्ष बेनीपुरी-माटी की मूरतें
II	महादेवी वर्मा - ठकुरी बाबा
III	तुलसीदास - मुर्दहिया
IV	शिवरानी देवी - प्रेमचंद घर में
V	मन्नू भण्डारी - एक कहानी यह भी
VI	विष्णु प्रभाकर - आवारा मसीहा
VII	हरिवंश राय बच्चन- क्या भूलूं क्या याद करूँ
VIII	हरिशंकर परसाई - भोलाराम का जीव

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध

सम्पादक : प्रो . आशुतोष कुमार सिंह अध्यक्ष हिन्दी विभाग प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविधालय प्रयागराज

सह-संपादक : प्रो० सविता कुमारी श्रीवास्तव एवं डॉ० अलका मिश्रा

प्रकाशकः लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास - रामचंद्र तिवारी
2. महादेवी वर्मा - दूधनाथ सिंह
3. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
4. तुम्हारा परसाई - कांति कुमार जैन
5. हरिवंश राय बच्चन- अजित कुमार
6. आत्मकथा की संस्कृति - पंकज चतुर्वेदी
7. कथेतर गद्य - माधव हाड़ा

8 आधुनिक साहित्य :विकास और विमर्श -प्रभाकर सिंह प्रतिश्रुति प्रकाशन कोलकता

ई -संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : प्रथम
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): V (A)		
पाठ्यक्रम कोडः A010706T क्रेडिट : 4	पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिंदी सृजनात्मक लेखन	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी-

CO1. स्वतंत्र लेखन को रोजगार के रूप में चुन सकेंगे।

CO2. प्रिन्ट और विजुअल मीडिया में रोजगार की पहचान करने में सक्षम बनेगें|

CO3. विभिन्न सरकारी संस्थाओं तथा दूरदर्शन और आकाशवाणी में कौशल की तुलना कर सकेंगे।

CO4. डिजिटल क्रिएटर बनकर आधुनिक तकनीक का उपयोग कर सकेंगे।

CO5. पटकथा लेखक के रूप में भविष्य का निर्माण कर सकेंगे।

CO6. अनुवाद के माध्यम से कई भाषा के व्याकरण का आकलन कर सकेंगे ।

	Core/Compulsory/Elective: Elective

इकाई	विषय
I	• सृजनात्मक लेखन : काव्य एवं गद्य का संदर्भ • सृजनात्मक लेखन से अभिप्राय : स्वरूप एवं आयाम • गीत लेखन, मुक्तक लेखन, लंबी कविता–लेखन, प्रबंध–लेखन • लघुकथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया
II	• मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम • प्रिंट एवं दृश्य–श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार • मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य • फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप, महत्व और क्षेत्र • फीचर लेखन की रचना–प्रक्रिया
III	• रेडियो–टी0वी0 लेखन और सृजनात्मकता • रेडियो–टी0वी0 : बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन • रेडियो–टी0वी0 : प्रहसन, एकांकी और नाट्य–लेख • हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता
IV	• गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता • कहानी लेखन और सृजनात्मकता • संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता • संवाद–लेखन और सृजन–धर्म • साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक बोध

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद : संपा0 नीता गुप्ता, पूरनचंद टंडन (राजकमल प्रकाशन) – 2020
2. फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी (वाणी प्रकाशन) – 2000
3. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक (वाणी प्रकाशन) – 1998
4. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेष सिंहल, पूरनचंद टंडन (वाणी प्रकाशन) – 1998
5- मीडिया लेखन कला : सूर्यप्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल (राजकमल प्रकाशन) – 1990

6 रचनात्मक लेखन - सम्पादक रमेश गौतम - भारतीय ज्ञानपीठ

7 लेखन कला एक परिचय -मधु धवन – वाणी प्रकाशन

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : प्रथम

पाठ्यक्रम/पेपर (Course): V (B)

पाठ्यक्रम कोडः A010707T	**पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिन्दी सिनेमा और साहित्य**

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. वैश्विक सिनेमा में हिन्दी सिनेमा के योगदान को पहचान कर सकेंगे।

CO2. स्थानीयए राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय सांस्कृतिक चिंतन प्रक्रिया और समाज दृष्टि की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

CO3. हिन्दी सिनेमा में प्रयुक्त तकनीकि, अभिनय और रंग निर्देशन सीख सकेंगे।

CO4. हिन्दी सिनेमा में रोजगार प्राप्त करने में उपयोग कर सकेंगे।

CO5. लोक कलाओं को संरक्षित कर कारीगरों के समान का बड़े पैमानों पर उत्पाद कर सकेंगे।

CO6. संवाद लेखन का कार्य करने के साथ साथ सिनेमा की समालोचना कर सकेंगे|

क्रेडिट : **4**	**Core/Compulsory/Elective: Elective**

इकाई	विषय
I	• सिनेमा का स्वरूप • सिनेमा का उद्भव • कैमरे की भूमिका • दर्शक और स्क्रीन का संबंध
II	• सिनेमा का इतिहास • सिनेमा का आरंभिक युग • सन साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा
III	• हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति–बालमनोविज्ञान • सनेमा स्त्री–विमर्श और सिनेमा • सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा • राष्ट्रीयता और सिनेमा
IV	• सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में, विशेष अध्ययन : गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, रजनीगंधा

प्रस्तावित पुस्तकें :

- हिंदी सिनेमा सदी का सफर : अनिल भार्गव (साइन साहित्य प्रकाशन) 2019
- समय, सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव – 2018
- पटकथा लेखन : मनोहर **श्याम जोशी** (राजकमल प्रकाशन) – 2016
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : संपा0 जयसिंह (प्रकाशन विभाग) - 2014
- सिनेमा का जादुई सफर : प्रताप सिंह (युग स्पंदन) - 2013
- Film Theor: An Introduction Through the Senses, by Thomas Elsaesser and Malte Hagener**(**routledge**)** **-** 2009
- साहित्य, सिनेमा और समाज : पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी – 1998

सिनेमा और यथार्थ -मृदुला पंडित -वाणी प्रकाशन

सिनेमा और संस्कृति -राही मासूम रजा वाणी प्रकाशन

फिल्म सफर कल और आज -एस सुमा वाणी प्रकाशन

पाठ्यक्रमः एम0ए0	यू .जी .सेम VIII/ M.A II SEMESTER	
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): I		
पाठ्यक्रम कोडः A010801T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1 हिन्दी कथा साहित्य के महत्वपूर्ण लेखकों, कहानी संग्रहों, और कहानी लेखन की सूची बना सकेंगे।

CO2- हिन्दी कथा साहित्य के प्रमुख लेखकों, उनके शैली, विषयों और युगों की हिन्दी उपन्यास की विशेषताओं, उपन्यास के प्रमुख लेखकों, उनके उपन्यासों की जानकारी 'उपन्यास की कथा-रचना, पात्र-संरचना की रूपरेखा बना सकेंगे।

CO3- सामाजिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों महत्वपूर्ण हिन्दी कहानी लेखकों, उनके कहानी संग्रहों, और कहानी लेखन के विकास की व्याख्या कर सकेंगे।

CO4 कहानी और उपन्यास की लेखन विधियों, विभिन्न प्रारूपों, रचना और विकास की तुलना कर सकेंगे।

CO5 कथानक, पात्र-संरचना, विषय वर्णन वातावरण वर्णन, वाद-विवाद और अन्य लेखन के तत्वों का मूल्यांकन कर सकेंगे

CO6 हिन्दी कथा साहित्य में उपन्यास और कहानी के विशेष अध्ययन से प्रस्तुति तैयार करने का कौशल विकसित कर सकेंगे। विभिन्न लेखकों, कहानियों और उपन्यासों के प्रभाव, रचनात्मकता और सामाजिक संदेश का सृजन कर सकेंगे।

क्रेडिट: 4	

इकाई	विषय
I	(क) उपन्यास : गोदान – प्रेमचन्द अथवा मैला ऑचल – फणीश्वरनाथ रेणु
II	(ख) निर्धारित कहानीकार एवं उनकी कहानियां 1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था 2. जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप 3. प्रेमचन्द – दुनिया का अनमोल रतन
III	4. जैनेन्द्र कुमार – अपना–अपना भाग्य 5. निर्मल वर्मा – परिन्दे 6. ज्ञान रंजन–पिता
IV	7. भीष्म साहनी– चीफ की दावत 8. शेखर जोशी–कोसी का घटवार 9. सुभद्रा कुमारी चौहान–राही
V	10. कमलेश्वर–राजा निरबंसिया 11. अमरकांत–डिप्टी कलेक्टरी

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि कहानियाँ

1. सम्पादक– **प्रो .** आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. गोदान एक आकलन : शम्भूनाथ (कामायनी प्रकाशन) – 2022
2. हाशिये के स्वर : अलका प्रकाश (साहित्य भंडार) – 2017
3. समय समाज और स्त्री : अलका प्रकाश (साहित्य भंडार) – 2017
4- हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन : डॉ0 ब्रम्हदेव शर्मा (वाणी प्रकाशन) – 2009
5. गोदान : कुछ सन्दर्भ : डॉ0 कमलेश कुमार गुप्ता (वाणी प्रकाशन) – 2008
6. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास : डॉ0 सुरेश सिन्हा (राजकमल प्रकाशन) – 2007
7- हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ0 त्रिभुवन सिंह (वाणी प्रकाशन) – 1994
8. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : डॉ0 त्रिभुवन सिंह (वाणी प्रकाशन) – 1993
9. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : डॉ0 गोपाल रा; (वाणी प्रकाशन) – 1987
10- गोदान : डॉ0 इन्द्रनाथमदान (राजकमल प्रकाशन) – 1975
11- प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन) – 1973
12- हिन्दी कहानी : रचना और प्रक्रिया: डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव (राजकमल प्रकाशन) – 1973
13- हिन्दी उपन्यास : डॉ0 शिवनारायण श्रीवास्तव (राजकमल प्रकाशन) – 1972

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	यू .जी .सेम VIII/ M.A II SEMESTER	

पाठ्यक्रम/पेपर (Course): II

पाठ्यक्रम कोडः A010802T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः भारतीय काव्यशास्त्र

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. संस्कृति, विश्व बन्धुत्व, मानव मूल्य,पर्यावरण चेतना एवं लैंगिक समानता की पहचान कर सकेंगे।

CO2. प्राच्यवाद, संस्कृतिवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, पर्यावरण चिंतन एवं मानव मूल्य से परिचित हो सकेंगे।

CO3. स्थानीय संस्कृति तथा उसके माध्यम से वैश्विक संस्कृति का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4. साधारणीकरण के माध्यम से वैश्विक साहित्य की तुलना कर सकेंगे।

CO5. हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य द्वारा वैश्विक दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

CO6. भारतीय काव्यशास्त्र के अनुशीलन से कश्मीर की प्राचीन संस्कृति का पुनर्निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Core**

इकाई	विषय
I	(क) भारतीय काव्यशास्त्र – भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, काव्य का स्वरूप, (काव्य–लक्षण), काव्य की आत्मा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य भेद (प्रकार), काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति ।
II	भारतीयकाव्य सिद्धान्त – रस के अवयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांत।
III	(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक औरउनकी मान्यताएं : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 नगेन्द्र , डॉ0 रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी काव्यशास्त्र : शांति लाल जैन (रूपा) – 2022
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : राम मूर्ति त्रिपाथु (लोक भारती) – 1997
3. रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र : डॉ0 निर्मला जैन (नागरी प्रचारिणी सभा)–1990
4- काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र (विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी) (प्रथम संस्करण : 1986)
5. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णवल (लोक भारती) – 1980
6. काव्यशास्त्र विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी (नागरी प्रचारिणी सभा)- 1980
7. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र – 1976
8- भारतीयकाव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ0 नगेन्द (नेशनल पब्लिशिंग हाउस) (प्रथम संस्करण : 1970)
9. सिद्धांत और अध्ययन : बाबू गुलाबराय (नागरी प्रचारिणी सभा) - 1952
10. रस–मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (राजस्थानी ग्रंथगार जोधपुर) (प्रथम संस्करण : 1949)
11. भारतीय साहित्यशास्त्र : आचार्य बलदेव उपाध्याय (प्रसाद परिषद काशी)

(प्रथम संस्करण : 1948)

12- साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा) – 1929

13 भारतीय काव्य शास्त्र - तारकनाथ बाली (वाणी प्रकाशन)

14 पाश्चात्य काव्यशास्त्र- तारकनाथ बाली (वाणी प्रकाशन)

ई – संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : द्वितीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): III (A)		
पाठ्यक्रम कोडः A010803T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः भारतीय साहित्य का स्वरूप	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. भारत की संस्कृति, विश्व बन्धुत्व, मानव मूल्य, पर्यावरण चेतना एवं लैंगिक समानता की पहचान कर सकेंगे।

CO2. प्राच्यवाद, संस्कृतिवाद, स्त्री विमर्श व दलित विमर्श की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

CO3. पर्यावरण चिंतन, मानव मूल्य एवं स्थानीय संस्कृति तथा उसके माध्यम से वैश्विक संस्कृति का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्य की व्याख्या कर सकेंगे।

CO5. हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO6. वर्षा की सुबह उपन्यास के माध्यम से उड़िया संस्कृति का पुनर्निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	Core/Compulsory/Elective: Elective

इकाई	विषय
I	भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएं।
II	भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
III	प्रतिनिधि उपन्यास – संस्कार (यू0आर0 अनन्तमूर्ति) वर्षा की सुबह–(सीताकान्त महापात्र)
IV	प्रतिनिधि नाटक – घासीराम कोतवाल (विजय तेन्दुलकर)
V	भारतीय साहित्य : चेतना के आयाम– राष्ट्रीयता, लोकतांत्रिक चेतना, धार्मिक चेतना, मूल्यबोध, परम्परा बोध और आधुनिकता।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. संचयन : योगिता यादव (रुख पब्लिकैशन) – 2022
2. समकालीन भारतीय साहित्य : जयदेव (कामायनी प्रकाशन) - 2021
3- भारतीय साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीकान्त पाण्डेय (प्रकाश) – 1994
4- चयनम्' : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली (चौखंभा) – 1985
5- भारतीय साहित्य : अज्ञेय (साहित्य अकादमी) - 1983
6- भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : डॉ0 के0सच्चिदानन्दन (राजकमल प्रकाशन) – 1980
7- भारतीय साहित्य : (सं0) डॉ0 नगेन्द्र (लोक भारती) - 1977
8- भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शमा (राजकमल)Z – 1971

9- मराठी भाषा और साहित्य : डॉ0 राजकमल बोरा (वाणी प्रकाशन) -1958

ई - संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : द्वितीय

पाठ्यक्रम/पेपर (Course): III (B)

पाठ्यक्रम कोडः **A010804T**	पाठ्यक्रम का शीर्षकः पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. संस्कृति, विश्व बन्धुत्व, मानव मूल्य, एवं लैंगिक समानता से परिचित हो सकेंगे।

CO2. प्राच्यवाद, संस्कृतिवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, पर्यावरण चिंतन एवं मानवय की सूची बना सकेंगे।

CO3. पर्यावरण चिंतन, मानव मूल्य एवं स्थानीय संस्कृति तथा उसके माध्यम से वैश्विक संस्कृति का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4. विखण्डनवाद के माध्यम से पाश्चात्य आलोचना कर्म की व्याख्या कर सकेंगे।

CO5. बिम्बवाद के माध्यम से भारतीय और योरोपीय साहित्य की समालोचना कर सकेंगे।

CO6. साहित्य का समाजशास्त्र के माध्यम से साहित्य के राष्ट्रीय स्वरूप का निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट **: 4**	**Core/Compulsory/Elective: Core**

इकाई	विषय
I	(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र प्लेटो का काव्य – सिद्धांत : अनुकृति–सिद्धांत
II	अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ : अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत, त्रासदी–सिद्धांत ।
III	लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
IV	टी0एस0 इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा
V	(ख) आधुनिक आलोचना के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, विखण्डनवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, स्त्रीवाद साहित्य का समाजशास्त्र।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह (लोक भारती) – 1995
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ0 तारकनाथ बाली (लोक भारती) – 1990
3. प्लेटो के काव्य–सिद्धांत : डॉ0 निर्मला जैन (लोक भारती) – 1989
4. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव : डॉ0 रविन्द्रसाहाय वर्मा (लोक भारती) - 1987
5- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र (लोक भारती) – 1985
6. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद : डॉ0 सत्यदेव मिश्र (लोक भारती) – 1983
7- उदात्त के विषय में : डॉ0 निर्मला जैन (लोक भारती) -1982
8- अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ0 नगेन्द्र (लोक भारती) – 1978
9- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रो0 देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोक भारती) – 1977
10. अस्तित्ववाद–कीर्केगार्द से कामू तक : योगेन्द्र साही (लोक भारती) – 1975

ई – संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : द्वितीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): IV(A)		
पाठ्यक्रम कोडः A010805T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः प्रयोजनमूलक हिंदी	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी –

CO1. रोजगारोन्मुख, व्यवसायिक हिन्दी के ज्ञान को पहचान सकेंगे।

CO2. अनुवाद के ज्ञान द्वारा विविध भाषाओं के सिनेमा और डबिंग को रोजगार के रूप में चुन सकेंगे।

CO3. पत्रकारिता के क्षेत्र में डिजिटल और प्रिन्ट मीडिया में रोजगार प्राप्त करने हेतु योजना बना सकेंगे।

CO4. कॉल सेन्टर में रोजगार प्राप्त करने हेतु भाषा का उपयोग कर सकेंगे।

CO5. विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो कर भविष्य बना सकेंगे।

CO6. कार्यालय सहायक के कार्य द्वारा आजीविका का निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Elective**

इकाई	विषय
I	**प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र** • अर्थ विस्तार, आवश्यकता और विषेषताएँ • हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा • भारतीय भाषाएँ • हिंदी की समृद्धि व प्रकार, हिंदी का वैविध्य • हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया
II	**जनसंचार में हिंदी :** • जनसंचार माध्यम : विविध आयाम • जनसंचार माध्यम : विविध भाषिक रूप • विज्ञापन और हिंदी
III	**वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप :** • वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ • वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली • वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन
IV	**प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप :** • प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन, प्रतिवेदन

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे (विश्वविद्यालय प्रकाशन) – 2010

2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति : जितेन्द्र वत्स (लोक भारती) – 2007
3. मीडिया और साहित्य–साहित्य रत्नालय कानपुर : प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह (लोक भारती) – 2005
4- प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया (लोक भारती) – 2001
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी और व्यावहारिक पत्रकारिता : मुश्ताक अली – 2006
6- हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाश चन्द्र भाटिया (प्रभात प्रकाशन) – 1999
7. भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी : संपादक– पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी– 1998

ई - संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : द्वितीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): IV (B)		
पाठ्यक्रम कोडः A010806T		पाठ्यक्रम का शीर्षकः **हिन्दी पत्रकारिता**
क्रेडिट : 4		**Core/Compulsory/Elective: Core**

इकाई	विषय
I	• पत्रकारिता की अवधारणा : उद्भव, उद्देश्य और सामाजिक, राजनीतिक महत्व • समाज में पत्रकारिता की भूमिका : राष्ट्र-राज्य, लोकतंत्र, नागरिकता बोध और पत्रकारिता, चौथे खम्भे की अवधारणा, शुचिता, पारदर्शिता और जवाबदेही, लोकतंत्र में विचारों और सूचनाओं की विविधता और बहुलता • पत्रकारिता के कार्य : विश्वनीय – सूचनात्मक पत्रकारिता और आलोचनात्मक-खोजी-विरोधी पत्रकारिता के सम्बन्ध में
II	• हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास : भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में अंग्रेजी और भाषायी पत्रकारिता की भूमिका • स्वातंत्र्योत्तर भारत में पत्रकारिता की भूमिका एवम् राष्ट्रनिर्माण की चुनौतियाँ • आपातकाल के दौर में पत्रकारिता : सेंसरशिप और दबाव
III	• प्रमुख संपादक : भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, पंडित मदन मोहन मालवीय, महात्मा गाँधी, बालमुकुन्द गुप्त, बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय
IV	• देश की आजादी: अवधारणा एवं संवैधानिक व्यवस्था • हिन्दी समाचार पत्रों का भविष्य: प्रवृत्तियां एवं विमर्श • पत्रकारिता एवं नैतिकता, पीत पत्रकारिता, पेड न्यूज़ का समाज पर प्रभाव

सन्दर्भ सूची

विकास का समाजशास्त्र - श्यामाचरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

भारत और उसके विरोधाभास - ज्यां द्रेज और अमर्त्य सेन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018

जनमाध्यम, संप्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ, नई दिल्ली, 1995

हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास -अर्जुन तिवारी -वाणी प्रकाशन - 2024

मीडिया समग्र - अर्जुन तिवारी -वाणी प्रकाशन -2019

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः प्रथम	सेमेस्टर : द्वितीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course) : V		**ability enhancement course**
पाठ्यक्रम कोडः **A010807P**	पाठ्यक्रम का शीर्षकः **स्वयं का स्मरण, रिपोर्ताज, लेखक के साथ साक्षात्कार**	
पाठ्यक्रम कोडः **A010808P**	पाठ्यक्रम का शीर्षकः **सेमिनार एवं प्रस्तुतीकरण**	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी-

CO1. लघु उपन्यास लेखन की रूपरेखा बना सकेंगे।

CO2. मौलिक कहानी के तत्वों की पहचान कर सकेंगे।

CO3. भारतीय संस्कृति के विविध आयामो पर योजना बनाने में सक्षम होंगे।

CO4. साहित्य लेखन में उपयोग कर सकेंगे।

CO5. स्वतंत्र लेखन में आजीविका का निर्माण कर सकेंगे।

CO6. पत्रकार बनकर राष्ट्रीय मुद्दों का आकलन कर सकेंगे।

क्रेडिट : **4**	**ability enhncament course**

इकाई	विषय
I	गोदान एवं मैला आँचल जैसे **कालजयी** उपन्यासों पर संगोष्ठी आयोजित कराना।
II	उपन्यास लेखन पर कार्यशाला का आयोजन कराना।
III	प्रयोजनमूलक हिन्दी पर कार्यशाला।
IV	सृजनात्मक लेखन।

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): I		
पाठ्यक्रम कोडः A010901T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. हिन्दी साहित्य के इतिहास दर्शन, परम्परा, काल विभाजन की पहचान कर सकेंगे।

CO2. इतिहास लेखन के प्रमुख सिद्धांतो की सूची बना सकेंगे।

CO3. विभिन्न इतिहास दृष्टियों की समझ को संकलित कर सकेंगे।

CO4. पुरा इतिहास लेखन में उपयोग कर सकेंगे।

CO5. साहित्य की समकालीनता का मूल्याकन कर सकेंगे।

CO6. रीतिकाल के काव्य द्वारा विभिन्न स्थानीय दरबारी की संस्कृति का पुनर्निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	Core/Compulsory/Elective: Core

इकाई	विषय
I	• साहित्येतिहास की अवधारणा। • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा तथा मूल स्रोत। • हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।
II	• हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन और नामकरण की समस्याएँ।
III	• आदिकाल–विविध नामकरण, मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाकर एवं उनकी रचनाएँ।
IV	• भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की विभिन्न काव्य धाराएँ – निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी धारा, सगुण काव्यधारा : कृष्णभक्ति धारा तथा रामभक्ति धारा और उनकी सामान्य प्रवृत्तियां। भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का वैशिष्ट्य।
V	• रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) नामकरण, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ – (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा) और उनकी प्रवृत्तियां, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकर व उनकी रचनाएँ।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन) – 2019
2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन) – 2015
3- हिन्दी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन) – 2012
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन) – 2008
5- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त (लोक भर्ती प्रकाशन) – 2007
6- भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ0 रामविलास शर्मा (वाणी प्रकाशन) – 1996
7. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : डॉ0 किशोरी लाल गुप्त (हिन्दी प्रचारक संस्थान) – 1957
8- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (लोक भर्ती प्रकाशन) – 1929
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा – 1928
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (नागरी प्रचारिणी सभा) – 1873

11 .हिंदी साहित्य का इतिहास उसकी समस्या - योगेन्द्र प्रताप सिंह -वाणी प्रकाशन 2022

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): II		
पाठ्यक्रम कोडः A010902T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. हिन्दी साहित्य को देखने, परखने और संग्रह करने की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

CO2. अस्मिता विमर्श, स्त्री विमर्श तथा आदिवासी विमर्श के माध्यम से तथ्य और विश्वास, धारणाओं तथा निरंतरता की समझ विकसित करने वाली विभिन्न अध्ययन परंपराओं की पहचान कर सकेंगे।

CO3. साहित्य इतिहास लेखकों की संकल्पनाओं, सृजनात्मकता और भविष्य दृष्टि की समझ विकसित कर विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4. नैतिक व सत्यनिष्ठ बनने में उपयोग कर सकेंगे।

CO5. स्त्री विमर्श लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त कर बेहतर राष्ट्र निर्माण कर सकेंगे।

CO6. **वैश्विक संदर्भों में** तृतीय लिंगीय विमर्श द्वारा लैंगिक समझ की व्यवहारिक समालोचना कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	Core/Compulsory/Elective: Core

इकाई	विषय
I	आधुनिक काल – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
II	आधुनिक काल के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का परिचय।
III	हिन्दी–गद्य की प्रमुख विधाओं (निबन्ध, कहानी,उपन्यास, नाटक) तथा गद्य की विविध नवीन विधाओं– रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, साक्षात्कार, जीवनी, व्यंग्य आदि का परिचय।
IV	गद्य–साहित्य की विविध विधाओं के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
V	हिन्दी–आलोचना की समकालीन विमर्श – स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह (राधा कृष्ण प्रकाशन) – 2017
2. हिन्दी का सामयिक साहित्य : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (वाणी प्रकाशन) – 2012
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोक भर्ती प्रकाशन) – 2009
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल – 2008
5- हिन्दी कथा साहित्य : गंगा प्रसाद पाण्डेय (मयूर पेपरबैक) – 1987
6- नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी (राजकमल प्रकाशन) – 1978
7- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी (राजकमल प्रकाशन) – 1977
8- द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (राजकमल प्रकाशन) – 1976
9- आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी (राजकमल प्रकाशन) – 1974
10- हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय - 1951

11 हिंदी साहित्य का आदिकाल -वाणी प्रकाशन 2024

12 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - सुमन राजे 2024 -ज्ञानपीठ

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): III		
पाठ्यक्रम कोडः A010903T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः भाषा विज्ञान	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी –

CO1. भाषा की उत्पत्ति के विभिन्न स्रोतों, के रचनात्मक परिदृश्य की पहचान कर सकेंगे।

CO2. विभिन्न शब्दों के जन्म की कहानी, उनके अर्थ संकोच और अर्थ विस्तार के कारकों की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

CO3. अपभ्रंश, अवहट्ट, मैथिली, दक्खिनी, हिन्दी के आरंभिक सृजन संसार और भाषा निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कर सकेंगे।

CO4. लोकभाषा द्वारा स्थानीय बोली का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO5. भाषा विभाषा का अन्तर समझ कर मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO6. भाषा विज्ञान के क्षेत्र में नए सिद्धांत का निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Core**

इकाई	विषय
I	• भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग। • भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
II	• भाषाओं का वर्गीकरण – पारिवारिक, आकृतिमूलक • भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप– भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोक भाषा।
III	• ध्वनि विज्ञान (स्वन विज्ञान) – उच्चारण–अवयव (वागवयव) ध्वनि–वर्गीकरण, ध्वनि–परिवर्तन कारण और दिशाएँ, ध्वनि–विश्लेषण
IV	• रूप विज्ञान, रूप–परिवर्तन • अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन कारण और दिशाएँ
V	• वाक्य विज्ञान–वाक्य–परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, वाक्य –संरचना और भेद

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1- आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 मोती लाल गुप्त - 1978
2. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ0 सरयू प्रसाद अग्रवाल - 1976
3- भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी : डॉ0 नरेश मिश्र - 1973
4. भाषा विज्ञान शब्द कोष : डॉ0 भोलानाथ तिवारी (वाराणसी ज्ञान मण्डल) – 1972
5. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना (हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग) – 1971
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली) – 1966
7. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी (किताब महल) – 1960
8- भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी - 1948
9. भाषा विज्ञान : डॉ0 श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा) – 1929
10- भारत का भाषा – सर्वेक्षण : डॉ0 ग्रियर्सन - 1929

11 ग्रियर्सन भाषा और साहित्य चिंतन - अरुण कुमार -वाणी प्रकाशन -2024

12 आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा - वाणी प्रकाशन -2016

13 भारतीय भाषाओँ की पहचान -सियाराम तिवारी वाणी प्रकाशन -2017

ई – संसाधान

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): IV		
पाठ्यक्रम कोडः A010904T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिन्दी भाषा एवं लिपि	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी-

CO1. . भाषा की उत्पत्ति के विभिन्न श्रोतों, मान्यताओं, की सूची बना सकेंगे।

CO2. विभिन्न शब्दों के उद्गम की कहानी, उनके अर्थ संकोच और अर्थ विस्तार के कारकों की पहचान कर सकेंगे।

CO3. देवनागरी लिपि का व्यवहारिक उपयोग कर सकेंगे।

CO4. लैंग्वेज लैब में संगणक का प्रयोग कर गणना कर सकेंगे।

CO5. लिपि विज्ञान के क्षेत्र में नए सिद्धांत का निर्माण कर सकेंगे।

CO6. सेवा क्षेत्र में आजीविका का भविष्य तय कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	Core/Compulsory/Elective: Elective

इकाई	विषय
I	**खण्ड (क) हिन्दी भाषा** • हिन्दी भाषा : उद्भव–विकास, क्षेत्र, विविध बोलियाँ • हिन्दी शब्द–समूह (हिन्दी की शब्द–सम्पदा) तत्सम, तद्भव, आगत एवं देशज शब्दावली
II	• हिन्दी के व्याकरणिक अवयव–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग (कारक), प्रत्यय, लिंग, वचन।
III	**खण्ड (ख) देवनागरी लिपि** • देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास।
IV	• देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ
V	• देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी (लोक भारती प्रकाशन)– 1998
2- हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया (लोक भारती प्रकाशन)– 1983
3- नागरी लिपि और उसकी समस्याएँः डॉ0 नरेश मिश्र (लोक भारती प्रकाशन)– 1978
4- हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोक भारती प्रकाशन)– 1974
5- हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : लक्ष्मीकान्त वर्मा (हिन्दुस्तानी अकादमी प्रयागराज) – 1971
6. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी – 1970
7- हिन्दी : उद्भव और विकास : डॉ0 हरदेव बाहरी (इलाहाबाद किताब महल) – 1965
8- हिन्दी भाषा : उद्भव और विकासः डॉ0 उदयनारायण तिवारी (भर्ती भंडार प्रयाग) – 1960
9- हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा (हिन्दुस्तानी अकदमी प्रयागराज) - 1933
10- हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 श्यामसुन्दर दास (नागरी प्राचीरिणी सभा) - 1929

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): IV (B)		
पाठ्यक्रम कोडः **A010905T**	पाठ्यक्रम का शीर्षकः हिन्दी अनुवाद	
क्रेडिट : **4**	**Core/Compulsory/Elective: Elective**	

इकाई	विषय
I	• अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम • अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार • अनुवाद और भाषा का सम्बन्ध • श्रुत भाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय • अनुवाद की प्रासंगिकता
II	• अनुवाद की प्रक्रिया • अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार • अनुवाद की सीमायें एवं समस्याएं
III	• अनुवाद पुनरीक्षण - मूल्यांकन • तत्काल भाषांतरण : अर्थ, स्वरूप और प्रक्रिया • अनुवाद और तत्काल भाषांतरण में अंतर
IV	• साहित्य अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद • कार्यालयीय अनुवाद • मीडिया और अनुवाद • बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. **अनुवाद साधना : पूरनचंद टंडन**
2. **सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : संपादक सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन**
3. **अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेन्द्र**
4. **अनुवाद शतक-1 : संपादन पूरनचंद टंडन**
5. **अनुवाद शतक 2 : संपादन पूरनचंद टंडन**
6. **कंप्यूटर अनुवाद : पूरनचंद टंडन**

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): V		
पाठ्यक्रम कोडः A010906T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी -

CO1. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी कविता के योगदान से परिचित हो सकेंगे।

CO2. छायावाद को शक्ति काव्य और नवजागरण के सन्दर्भ में प्रस्तुत कर सकेंगे।

CO3. छायावाद को मानव मूल्य के पोषक तथा पर्यावरणीय संदर्भों के साथ समावेशी विकास की व्याख्या करेंगे।

CO4. पंत काव्य में वर्णित कौसानी का स्थानीय पर्यावरण का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

CO5. साकेत के द्वारा मिथिला की संस्कृति में भारतीय संदर्भ का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO6. 'राम की शक्ति पूजा' राष्ट्रीय काव्य में निहित जीवन के संघर्ष की समालोचना कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Core**

इकाई	विषय
I	**निर्धारित कवि और काव्य :** मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' – नवम सर्ग
II	जयशंकर प्रसाद : 'कामायनी' – श्रद्धा
III	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला': दो कविताएँ – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
IV	सुमित्रानन्दन पन्तः की कविताएँ – परिवर्तन और प्रथम रश्मि

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक– **प्रो .** आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक–डॉ0 अलका मिश्र एवं डॉ0 राधेश्याम सिंह

प्रकाशक -वाणी प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 कुमार विमल (वाणी प्रकाशन) – 1989
2. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय (लोक भारती) - 1987
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह (वाणी प्रकाशन) – 1987
4. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह (लोक भारती) – 1987

5- हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी (वाणी प्रकाशन) – 1985
6- आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी (राजकमल प्रकाशन) – 1983
7. छायावादी कवियों का सौन्दर्य–विधान : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित (लोक भारती) – 1978
8. छायावाद का काव्य–शिल्प : डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल (राजकमल प्रकाशन)– 1978
9. छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन : डॉ0 दीनानाथशरण (राजकमल प्रकाशन)– 1975
10. छायावादी कवि और काव्य : डॉ0 श्रीदेवी खरे (वाणी प्रकाशन) – 1974

ई संसाधन -

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रमः एम0ए0	वर्षः द्वितीय	सेमेस्टर : तृतीय
पाठ्यक्रम/पेपर (Course): V (A)		
पाठ्यक्रम कोडः A010907T	पाठ्यक्रम का शीर्षकः छायावादोत्तर काव्य	

अधिगम प्रतिफल (Course Out Come): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी-

CO1. हिन्दी कविता के विकास तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी कविता के योगदान से परिचित हो सकेंगे

CO2. नयी कविता को मानव मूल्य के पोषक तथा पर्यावरणीय संदर्भों के रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

CO3. अज्ञेय की असाध्य वीणा कविता की जापान की लोककथा से तुलना कर सकेंगे।

CO4. करूक्षेत्र के द्वारा युद्ध की अर्न्तराष्ट्रीय समस्या की व्याख्या कर सकेंगे।

CO5. नागार्जुन की कविता द्वारा मैथिल संस्कृति का मूल्यांकं कर सकेंगे।

CO6. अंधेरे में कविता द्वारा क्रांति की चेतना का निर्माण कर सकेंगे।

क्रेडिट : 4	**Core/Compulsory/Elective: Core**

इकाई	विषय
I	**निर्धारित कवि और काव्य :** सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' :'असाध्य वीणा' कविता
II	गजानन माधव मुक्तिबोध : 'अंधेरे में' कविता
III	नागार्जुन :बादल को घिरते देखा है, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, **कुंवर चन्द्र प्रकाश सिंह : खलिहान**
IV	रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक– **प्रो .** आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज।
2. सह सम्पादक– **प्रो .** कुमार वीरेन्द्र **प्रकाशन -वाणी प्रकाशन**

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. कविता के नये प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन) – 2018
2- चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर : डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, डा0 मधु खन्ना– 2018
3. अज्ञेय : व्यक्तित्व विभास : डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा (वाणी प्रकाशन) – 2017
4. अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी (राजकमल प्रकाशन – 2015
5. अज्ञेय की कविता : डॉ0 चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर (वाणी प्रकाशन) – 2014

6- अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ : डॉ0 सावित्री मिश्र (राजकमल प्रकाशन) – 2010
7. पंत सहचर : अशोक वाजपेयी (वाणी प्रकाशन) – 1979
8- मुक्तिबोध : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (राजकमल प्रकाशन) – 1978
9. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ0 केदारनाथ शर्मा (वाणी प्रकाशन) – 1948
10. अज्ञेय : चेतना के सीमान्त : डॉ0 ज्वाला प्रसाद खेतान (विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी) – 1940

ई – संसाधन

1 – kavitakosh.org : कविता कोश

2 – hindisamay.org : हिन्दी समय

3 – ndl.iitkgpl.ac.in : भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय

4 – www.gutenberg.org : Project Gutenberg

5 – dli.gov.in : Digital library of India

6 – hindisahityakhoj.com : Hindi sahitya khoj

7 – www.hindiebooks.org : Hindi ebooks

8 – rekhta.org : Rekhta

पाठ्यक्रम कोडः **A011001PR** चतुर्थ सेमेस्टर	दीर्घ शोध प्रबंध	20 क्रेडिट